EFA GMR EDUCATION FOR ALL GLOBAL MONITORING REPORT

29 जनवरी 2014 को 00.01 जीएमटी से पूर्व प्रकाशित न किया जाए

विश्व स्तर पर बुनियादी शिक्षा की समस्या के कारण 129 बिलियन डॉलर का सालाना नुकसान

– *दक्षिण और पश्चिम एशिया में स्कूल जाने और न जाने वाले दो–तिहाई बच्चे बुनियादी शिक्षा और गणित विषय नहीं पढ़ रहे हैं।*

29 जनवरी 00.01 जीएमटी: 11वीं सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट यह दर्शाती है कि विश्व स्तर पर सरकारों को शिक्षा की समस्या के कारण सालाना 129 बिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। विश्व स्तर पर प्राथमिक शिक्षा पर खर्च होने वाली दस प्रतिशत राशि शिक्षा की घटिया गुणवत्ता के कारण व्यर्थ जा रही है जिससे बच्चे कुछ भी सीख नहीं पा रहे हैं। चार युवकों में से एक युवक एक वाक्य तक नहीं पढ पाता जिससे दक्षिण और पश्चिम एशिया में एक–तिहाई युवतियां प्रभावित हो रही हैं। रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अच्छे शिक्षकों से ही शिक्षा के स्तर में सुधार हो सकता है और इसलिए यह रिपोर्ट सरकारों से यह आह्वान करती है कि वे इस पेशे के सबसे बेहतरीन शिक्षक उपलब्ध कराएं जिन्हें बच्चों की सबसे अधिक जरूरत है। इस वर्ष की रिपोर्ट, *पढ़ना और पढ़ाना: सभी के लिए बेहतरीन शिक्षा*, यह आगाह करती है कि यदि इस पेशे को आकर्षक नहीं बनाया गया और पर्याप्त संख्या में शिक्षकों को प्रशिक्षण नहीं दिलाया गया तो शिक्षा की यह समस्या कई पीढ़ियों तक बनी रहेगी और इससे उपेक्षित वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। दक्षिण और पश्चिम एशिया में, जहां प्राथमिक स्कूल जाने वाले 100 बच्चों में से केवल 33 बच्चे बुनियादी शिक्षा ले रहे हैं, वहीं इस्लामी गणराज्य ईरान में यह प्रतिशत लगभग 90% है तो पाकिस्तान में 30% से कम है।

रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि यदि यही रुझान जारी रहा तो विकासशील देशों में सबसे गरीब सभी युवतियां 2072 तक ही साक्षर हो पाएंगी। उपेक्षित वर्ग – लड़कियां और जो गरीब हैं – पिछड़ जाएंगे: पाकिस्तान में अमीर लड़कों और लड़कियों द्वारा 2020 तक प्राथमिक शिक्षा पूरी करने की संभावना है, लेकिन हाल के रुझानों को देखते हुए गरीब लड़के 2050 के दशक के अंत तक ही इस मूलभूत लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे और गरीब लड़कियां इस सदी के समाप्त होने से तत्काल पहले ही यह लक्ष्य प्राप्त कर पाएंगी। हालांकि यदि सही नीतियां लागू की जाएं तो इसमें तेजी लाई जा सकती है: नेपाल में सबसे गरीब युवती की साक्षरता दर वर्ष 2001 में 18% से तीन गुणा बढ़कर वर्ष 2011 में 54% हो गई।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए वर्ष 2011 और 2015 के बीच दक्षिण और पश्चिम एशिया को निम्न माध्यमिक शिक्षा में प्रति शिक्षक 32 बच्चों का अनुपात प्राप्त करने के लिए 1 मिलियन अतिरिक्त शिक्षकों को भर्ती की आवश्यकता होगी। हालांकि शिक्षकों को भी प्रशिक्षण की जरूरत होगी। रिपोर्ट में जिन एक–तिहाई देशों का विश्लेषण किया गया है, उनमें मौजूदा प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों में से एक–तिहाई से भी कम राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षित हैं। यूनेस्को के महानिदेशक ईरिना बाकोवा ने कहा, *"इस पीढ़ी का भविष्य शिक्षकों के हाथ में है।" "हमें 2015 तक 5.2 मिलियन शिक्षकों को भर्ती करना होगा, और उनकी सहायता के लिए ठोस प्रयास करने होंगे ताकि वे बच्चों को सार्वभौमिक, निशुल्क और बेहतर शिक्षा का अधिकार दिला सकें। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि 2015 के बाद तय होने वाले नए वैश्विक शिक्षा लक्ष्यों में समानता की दृष्टि से स्पष्ट प्रतिबद्धता हो, जिसमें ऐसे संकेतक हों जिनसे उपेक्षित वर्ग की प्रगति पर नज़र रखी जा सके ताकि कोई भी पिछड़ न जाए।"*

इस रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि दुनिया भर में बुनियादी शिक्षा प्राप्त न करने वाले 250 मिलियन बच्चों पर जितना खर्च होता है, उससे लगभग 129 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। कुल मिलाकर, 37 देश प्राथमिक शिक्षा पर खर्च की जा रही कम से कम आधी राशि बरबाद कर रहे हैं क्योंकि बच्चे सीख नहीं रहे हैं। जबकि रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि सभी के लिए एक–समान, बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने से व्यापक आर्थिक प्राप्ति हो सकती है, जिससे किसी देश का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 40 वर्षों में 23 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। उदाहरण के लिए यदि पाकिस्तान को शिक्षा की उपलब्धता में व्याप्त असमानता को आधा करके वियतनाम के स्तर पर लाना हो तो उसे अपनी आर्थिक वृद्धि को 1.7 प्रतिशत बिंदु तक बढ़ाना होगा।

रिपोर्ट दर्शाती है कि सभी को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकारों को पर्याप्त मात्रा में प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध कराने चाहिए, और उपेक्षित वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षक नीतियां बनानी चाहिए। इसका अर्थ है कि अध्यापन में उत्कृष्ट उम्मीदवारों को आकर्षित किया जाए; उन्हें संबंधित प्रशिक्षण दिलाया जाए; उनकी देश के अंदर ऐसे क्षेत्रों में तैनाती की जाए जहां उनकी सबसे अधिक

जरूरत है; तथा अध्यापन की दीर्घावधि प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन दिया जाए। श्रीलंका में पाठ योजना और अनेक ग्रेड वाली कक्षाओं के लिए ग्रेड-वार उपयुक्त अभ्यास बनाने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया, जिससे बच्चों को गणित विषय को समझने मे आसानी हुई। रिपोर्ट में स्कूलों में लिंग आधारित हिंसा, जो शिक्षा में गुणवत्ता और समानता लाने में एक बड़ी बाधा है, का समाधान करने की आवश्यकता को भी उजागर किया गया है। रिपोर्ट में संपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और शिक्षा में सुधार करने के लिए पाठ्यक्रम और आकलन कार्यनीतियों के महत्व पर भी बल दिया गया है।

पॉलीन रोज, निदेशक ईएफए वैश्विक निगरानी रिपोर्ट ने कहा: *"ऐसी शिक्षा का क्या फायदा है यदि बच्चे स्कूल में वर्षों गुजारने के बाद बिना कोई दक्षता हासिल किए स्कूली शिक्षा पूरी करते हैं, जबकि इसकी उन्हें बेहद आवश्यकता होती है?" बड़ी संख्या में अनपढ़ बच्चों और युवकों के होने का अर्थ है कि अब यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा हासिल करने में समान अवसरों को शिक्षा के भावी लक्ष्यों में तरजीह दी जाए। वर्ष 2015 के बाद नए लक्ष्यों में यह अवश्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा न केवल स्कूल जाए बल्कि वह सीखे जो वह सीखना चाहता है।"*

रिपोर्ट में निम्नलिखित सिफारिशें की गई हैं:

1. 2015 के बाद नए शिक्षा लक्ष्यों में समान शिक्षा की स्पष्ट प्रतिबद्धता हो ताकि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का समान अवसर मिले। नए लक्ष्यों में स्पष्टता को मापे जा सकने वाले लक्ष्य तथा जांच-बिंदु होने चाहिए जिससे सबसे उपेक्षित वर्ग में हुई प्रगति का जायजा लिया जा सके।

2. 2015 के बाद नए लक्ष्यों से यह अवश्य सुनिश्चित होना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा स्कूल जाए और बुनियादी शिक्षा प्राप्त करे। बच्चों को न केवल स्कूल जाने बल्कि वहां रहते हुए पढ़ने तथा वह दक्षता हासिल करने का भी अधिकार है जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है, ताकि वे एक सुनिश्चित अच्छी आमदनी वाला रोजगार हासिल कर सकें।

3. यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों को बेहतरीन शिक्षक मिलें जिनकी उन्हें बेहद जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा योजनाओं में उपेक्षित वर्गों तक पहुंच बनाने के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता होनी चाहिए। स्थानीय शिक्षक भर्ती किए जाएं, या वे उपेक्षित वर्गों की पृष्ठभूमि से हों। उपेक्षित वर्ग के बच्चों को सहायता देने के उद्देश्य से प्रत्येक शिक्षक को सेवाकाल-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। शिक्षकों को प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए ताकि उत्कृष्ट शिक्षक दूर-दराज के इलाकों और अल्प-सेवा क्षेत्रों में कार्य कर सकें। सरकारों को अपने उत्कृष्ट शिक्षकों को बनाए रखना चाहिए, उन्हें ऐसा वेतन देना चाहिए जो अच्छा कार्य माहौल और उनकी भावी करियर जरूरतों को पूरा करता हो।

– समाप्त –

साक्षात्कार, फोटो, बी-रोल, पूर्व-संपादित वीडियो, उद्धरणों या शिक्षकों या बच्चों की केस स्टडी के लिए कृपया संपर्क करें:

केट रेडमैन k.redman@unesco.org 0033 671 78 6234
सु विलियमस s.williams@unesco.org 0033 1 45 68 17 06 या 0033 6 15 92 93 62

संपादकों के लिए टिप्पणियां:

एक स्वतंत्र दल द्वारा विकसित और यूनेस्को द्वारा प्रकाशित सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट एक आधिकारिक संदर्भ है जिसका लक्ष्य सर्वशिक्षा की जानकारी देना, उसे प्रभावशाली बनाना और वास्तविक प्रतिबद्धता बनाए रखना है।

@EFAReport / GMR Facebook Web: http://www.efareport.unesco.org | World Education Blog: http: //efareport.wordpress.com